R.K.D.F. UNIVERSITY, BHOPAL

MASTER OF ARTS (Hindi) NEP

FIRST YEAR

Scheme

The structure of the course will comprise Four-Papers and one **Internship/Apprenticeship /Seminar** in each Semester.

First Semester

S no	Subject Code	Subject Title	Marks Allotted							
			Assignment Marks		Theory Marks		Practical Marks		Total Marks	Credit
			max	min	max	min	max	min		
1	MAHI-101	हिन्दी साहित्य का इतिहास	40	16	60	24			100	5
2	MAHI-102	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	40	16	60	24			100	5
3	MAHI-103	कथा साहित्य	40	16	60	24			100	5
4	MAHI-104	हिंदी भाषा एवं भाषा विज्ञान	40	16	60	24			100	5
5	MAHI-105	Internship/Apprenticeship /Seminar					100	60	100	2
Total									500	22

Note-Lecture timing15 Hour/Unit

Signature

Dean of Department **Member** **Member**

Name:-

R.K.D.F. UNIVERSITY, BHOPAL

MASTER OF ARTS (NEP)

FIRST YEAR

Semester – I

Course	Subject	Subject Code
M.A.(Hindi) NEP	हिन्दी साहित्य का इतिहास	**MAHI-101**

Course Learning Outcomes (CLO)

इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होगें

1. विद्यार्थी हिंदी के प्राचीन एवं मध्यकालीन कवियों उनके काव्य से परिचित हो सकेंगे।
2. आदिकालीन काव्य अपभ्रंष के अवदान को समेटे हैं। मध्यकालीन काव्य लोकमंगल के स्वर साधता है। इसने भारत की भावनात्मक एकता और सांस्कृतिक परंपरा को सुरक्षित रखा है। विद्यार्थी इन सभी से परिचित हो पाएंगे।
3. विद्यार्थी हिंदी साहित्य के प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास से परिचित हो सकेंगे और भाषा के विकास को समझ सकेंगे।
4. रीतिकाल परिस्थियाँ, कालनिर्धारण व नामकरण, प्रमुख काव्यधारा एवं प्रमुख कवि, कृतियाँ, को समझ सकेंगे।
5. आधुनिक कालः पृष्ठभूमि, कालनिर्धारण, स्वतंत्रता पूर्व काव्यधाराएँ, एवं गद्य साहित्य का उद्भव और विकास तथा विविध गद्य विधाएँ समझ पाएंगे।

UNIT - I

भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी साहित्यः अंतः सबंध एवं प्रभाव
साहित्य के इतिहास लेखन एवं पुनर्लेखन की समस्याएँ
हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा प्रमुख हिंदी इतिहासकार एवं इतिहास ग्रथ
हिंदी साहित्य, इतिहास का काल विभाजन एवं नामकरण

गतिविधि – शोध आलेख लेखन

UNIT - II

हिंदी साहित्य का आदिकालः पृष्ठभूमि, समय सीमा और नामकरण, प्रवृत्तिया, काव्यधाराएँ
प्रतिनिधि कवि और काव्य एवं उपलब्धियाँ

गतिविधि –प्रवाह तालिका, रेखांकन

UNIT - III

भक्तिकाल : पृष्ठभूमि, भक्ति आदोलन, समयाविधि, नामकरण, प्रवृत्तियाँ,
प्रमुख कवि और उनका साहित्य एवं उपलब्धियाँ

गतिविधि – प्रवाह तालिका / रेखांकन

UNIT - IV

रीतिकाल परिस्थियाँ, कालनिर्धारण व नामकरण, प्रमुख काव्यधारा एवं प्रवृत्तिया, प्रमुख कवि, कृतियाँ, रीतिकालीन काव्य प्रदेय

गतिविधि – समूह चर्चा

UNIT - V

आधुनिक कालः पृष्ठभूमि, कालनिर्धारण, स्वतंत्रता पूर्व काव्यधाराएँ, प्रवृत्तियां प्रमुख रचनाकार, स्वातंन्र्योत्तर काव्य प्रवृतियां एवं प्रतिनिधि कवि
गद्य साहित्य का उद्भव और विकास तथा विविध गद्य विधाएँ

गतिविधि – विचार गोष्ठी, प्रश्न मंच

सार बिंदू **(Keywords/Tags) :** हिंदी साहित्य का इतिहास, आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल, आधुनिककाल
भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन
अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रंथ/ अन्य पाठ्य संसाधन / पाठ्य सामग्री 1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नगरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, नई दिल्ली, हरिद्वार 2. हिंदी साहित्य का इतिहास सं. डॉ. नगेन्द्र डॉ. हरदयाल. मयूर बुक्स, नई दिल्ली 3. साहित्य का इतिहास दर्शन नलिन विलोचन शर्मा, अनन्य प्रकाशन 4. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. रामकुमार वर्मा, लोकभारती प्रकाशन 5. मध्यकालीन बोध का स्वरूप – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन 6. हिंदी साहित्य की भूमिका – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन 7. हिंदी साहित्य का अतीत – विश्वनाथ प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन 8. रीतिकाव्य की भूमिका डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली 9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन 10. हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास – बाबू गुलाब राय, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल 11. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास, विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरियंट ब्लैक स्वान 12. भारतीय ज्ञान परंपरा – सं. अशोक कड़ेल, मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल 13. संवाद और हस्तक्षेप खंड 27 भारतीय ज्ञान परंपरा, सं. कैलाशचंद्र पंत, मध्यप्रदेश राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, भोपाल अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म/बेबलिंक https://books.google.com https://egyankosh..ac.in

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम		
भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियां		
अनुशंसित सतत मल्यांकन विधियां अधिकतम अंक : 100 सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40		विश्वविद्यालय परीक्षा **(UE)**: 60
आंतरिक मूल्यांकन सतत व्यापक मूल्यांकन **(CCE)**:	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतिकरण **(Presentation)**	20 20=40
आकलनः विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय : 03: 00 घंटा	अनुभाग अ– वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग ब– लघु उत्तरीय प्रश्न अनुभाग स– दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	60

R.K.D.F. UNIVERSITY, BHOPAL

MASTER OF ARTS

FIRST YEAR

Semester – I

Course	Subject	Subject Code
M.A.(Hindi) NEP	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	**MAHI-102**

Course Learning Outcomes (CLO)

इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होगें

1. विद्यार्थी हिंदी साहित्य के प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य से परिचित होंगे और भाषा के विकास को समझ पाएंगे।
2. चंदबरदाई एवं विद्यापति के साहित्य का अध्ययन करके तत्कालीन समय के समाज को जान पाएंगे।
3. कबीर एवं जायसी की रचनाओं का अध्ययन करके जीवन के साथ उनके साम्य स्थापित कर पाएंगे।
4. निर्गुण धारा से सगुण धारा तक के साहित्य का अध्ययन करके तुलसी आदि के साहित्य की आज के समय में प्रासंगिकता को समझ पाएंगे।
5. मध्यकालीन काव्य से उत्तर मध्यकालीन तक आने में भाषा में आये परिवर्तन को समझ पाएंगे।

UNIT – I

भारतीय ज्ञान परंपरा और प्राचीन व मध्यकालीन काव्य की पृष्ठभूमि
साहित्यिक प्रवृत्तियाँ (राजनैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक) एवं काव्यधाराएँ
गतिविधि – प्रवाह तालिका

UNIT - II

चंदबरदाई – पृथ्वीराजरासो (शशिव्रता विवाह प्रसंग)
विद्यापति – पदावली (प्रारंभिक दस पद) सं. शिवप्रसाद सिंह, लोक भारती प्रकाशन
(व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे)
गतिविधि – प्रवाह तालिका, रेखांकन

UNIT - III

भारतीय ज्ञान परंपरा और भक्तिकालीन निर्गुण काव्यधारा
कबीर की साखी
गुरूदेव को अंग (प्रारंभिक दस साखी), बिरह को अंग (प्रारंभिक दस साखी)– कबीर ग्रंधावली सं. डॉ. श्याम सुदंर दास
जायसी ग्रंथावली – नागमती वियोगखंड (बारहमासा) सं. रामचंद्र शुक्ल
(व्याख्यात्मक और आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे)
गतिविधि – समूह चर्चा, दोहा पाठ

UNIT - IV

भारतीय ज्ञान परंपरा और भक्तिकालीन सगुण काव्यधारा
तुलसीदास विनय पत्रिका, गीताप्रेस गोरखपुर , पद संख्या (41, 45, 79, 87, 88, 90, 100, 105, 112, 115)
सूरदास भ्रमर गीत सार (बाल वर्णन पद संख्या 113, 126, 132, 138, 150)
(भ्रमर गीत–पद संख्या 219, 226, 227, 231, 254, 306)–सं. रामचंद्र शुक्ल
(व्याख्यात्मक और आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे)
गतिविधि – शोध आलेख

UNIT - V

रीतिकालीन काव्यधारा
घनानंद कवित्त, सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (कवित्त संख्या – 1, 2, 3, 7, 8, 9, 11, 12, 14, 15)
बिहारी सत्सई. सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (दोहा संख्या 5, 8, 11, 21, 29, 33, 34, 37, 41, 43, 55, 66, 72, 75, 78)
भूषण – छत्रसाल दशक (पराक्रम वर्णन, तलवार वर्णन, तोपखाना वर्णन, प्रताप वर्णन, दान वर्णन) – भूषण ग्रंथावली – सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
(व्याख्यात्मक और आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे)
गतिविधि – आलेख लेखन

सर बिंदु **(Keywords/Tags):** प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य, पृथ्वीराजरासों, भक्तिकालीन काव्यधारा

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ/ अन्य पाठ्य संसाधन / पाठ्य सामग्री

1. आदिकालीन हिंदी साहित्य अध्ययन दिशाएँः अनिल राय, वाणी प्रकाशन
2. अपभ्रंष साहित्य हरिवंश कोछड़, भारतीय साहित्व मंदिर, दिल्ली
3. पृथ्वीराज रासो की भाषा–नामवर सिंह, सरस्वती प्रेस, बनारस
4. विद्यापति डॉ. शिव प्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन
5. हिंदी साहित्य का आदिकाल, हजारी प्रसाद द्विवेदी बिहार राष्ट्रभाषा परिसर
6. गोस्वामी तुलसीदासः रामचंद्र शुक्ल – प्रकाशन संस्थान
7. तुलसी आधुनिक वातायन से, रमेश कुंतल मेघ–राधाकृष्ण प्रकाशन
8. लोकवादी तुलसीदासः विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन
9. तुलसी काव्य–मीमांसाः उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन
10. सूरदास : रामचंद्र शुक्ल, नई किताब प्रकाशन
11. सूर साहित्यः हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन
12. महाकवि सूरदास, नंद दुलारे बाजपेयी, राजकमल प्रकाशन
13. सूर और उनका साहित्य : हरवंश लाल शर्मा, लोक भारती प्रकाशन
14. सूरदासः ब्रजशवर वर्मा, लोकभारती प्रकाशन
15. कबीरः हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन
16. कबीर की विचारधाराः गोविद त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर
17. कबीर साहित्य की परखः परशुराम चतुर्वेदी, भारती भंडार, इलाहाबाद
18. त्रिवेणीः रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन
19. जायसी, विजयदेव नारायण साही, हिन्दुस्तान एकेदमी, इलाहाबाद
20. भूषण ग्रंथावली, मिश्रबंधु. ना॰प्र॰सभा
21. भूषण ग्रथावली, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन , दिल्ली
22. छत्रसाल दशक, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, साहित्य सेवक कार्यालय, वाराणसी
23. भूषण और उनका साहित्य, राजमल बोरा, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
24. भूषण–विमर्श, भगीरथी प्रसाद दीक्षित, सरस्वती प्र॰सं॰, इलाहाबाद
25. महाकवि भूषण, भगीरधी प्रसाद दीक्षित, साहित्य भवन, इलाहाबाद
26. बिहार सार्धशतीः ओमप्रकाश, राजपाल एंड संस प्रकाशन
27. बिहारीः ओमप्रकाश , राधाकृष्ण प्रकाशन
28. बिहारी की वाग्विभूतिः विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, गोलघर, वाराणसी
29. घनानंद : काव्य और आलोचनाः किशोर लाल, इलाहाबाद, साहित्य भवन
30. घनानंद के काव्य में अप्रस्तुत योजनाः मनोहर लाल गौड़, दिल्ली, नेशनल पब्लिशिंग हाउस
31. घनानंदः लल्लन राय, साहित्य अकादमी नई दिल्ली
32. भारतीय ज्ञान परंपरा–सं. अशोक कड़ेल, मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
33. संवाद और हस्तक्षेप खंड 27 भारतीय ज्ञान परंपरा, सं. कैलाशचंद्र पंत, मध्यप्रदेश राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, भोपाल

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म / बेबलिक

Archive/Digital library

https://books.google.com

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम		
भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियां		
अनुशंसित सतत मल्यांकन विधियां अधिकतम अंक : 100 सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40		विश्वविद्यालय परीक्षा (UE): 60
आंतरिक मूल्यांकन सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट / प्रस्तुतिकरण (Presentation)	20 20=40
आकलनः विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय : 03: 00 घंटा	अनुभाग अ– वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग ब– लघु उत्तरीय प्रश्न अनुभाग स– दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	60

R.K.D.F. UNIVERSITY, BHOPAL

MASTER OF ARTS

FIRST YEAR

Semester – I

Course	Subject	Subject Code
M.A.(Hindi) NEP	कथा साहित्य	**MAHI-103**

Course Learning Outcomes (CLO)

इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होगें

1. विद्यार्थी इस बात से परिचित हो पाएंगे कि मनुष्य के राग–विराग, तर्क–वितर्क, चिंतन–मनन, जिस रागात्मक तथा कौशलपूर्ण ढंग से गद्य में अभिव्यंजित होते हैं, अन्यत्र नहीं।
2. विद्यार्थी प्रमुख कथाकारों एवं उनकी कृतियों की विशेषताओं शिल्प और विषय–वस्तु का समीक्षात्मक अध्ययन कर सकेंगे।
3. आधुनिक काल में गद्य के विकास को समझ सकेंगे।
4. आधुनिक साहित्य से संबंधित प्रमुख गद्यकारों एवं नाटककारों का अध्ययन करके, कथा और शिल्प को जानकर उसके सामाजिक प्रभाव समझ पाएंगे।
5. आधुनिक हिंदी गद्य और उसके इतिहास से परिचित होकर उसके अध्ययन व चिंतन प्रक्रिया के विकास को समझ सकेंगे।

UNIT - I

भारतीय ज्ञान परंरपरा और हिंदी उपन्यास : उद्भव और विकास यात्रा
भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी कहानीः उद्भव और विकास
गतिविधि– तालिका, रेखांकन

UNIT - II

गोदान (उपन्यास)–प्रेमचंद (व्याख्या)
प्रेमचंद और 'गोदान' पर समीक्षात्मक प्रश्न
गतिविधि – समीक्षा

UNIT - III

अहिल्याबाई (उपन्यास) – वृंदावनलाल वर्मा (व्याख्या)
वृंदावनलाल वर्मा एवं 'अहिल्याबाई' पर समीक्षात्मक प्रश्न
गतिविधि – शोध आलेख

UNIT - IV

रात का रिपोर्टर (उपन्यास)– निर्मल वर्मा
निर्मल वर्मा एवं रात का रिपोर्टर पर समीक्षात्मक प्रश्न
गतिविधि – समीक्षा

UNIT - V

कहानी साहित्य – व्याख्या और समीक्षात्मक प्रश्न
एक टोकरी भर मिट्टी – माधवराव सप्रे

मधुआ–जय शकर प्रसाद
हिली बोन की बतखें – अज्ञेय
जन्मभूमि –देवेन्द्र सत्यार्थी
ढ़ाई बीघा जमीन – मृदुला सिन्हा
गतिविधि –समीक्षा

सार बिंदु (**Keywords / Tags**): हिन्दी कहानी, हिंदी उपन्यास, प्रेमचंद, कहानी साहित्य		
भाग स–अनुशंसित अध्ययन संसाधन		
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन		
अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ/ अन्य पाठ्य संसाधन /पाठ्य सामग्री 1. प्रेमचंद और उसका युग : रामबिलास शर्मा, रामकमल प्रकाशन 2. प्रेमचंद एक साहित्यिक विवेचनः नदुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन 3. आज का हिंदी उपन्यास : इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन 4. कहानीः नयी कहानीः नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन 5. नयी कहानीः सदर्भ और प्रकृतिः देवीशंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन 6. नयी कहानी की भूमिका : कमलेश्वर, राजकमल प्रकाशन 7. वृदावंन लाल वर्मा : उपन्यास और कला, शिवकुमार मिश्र, रवि प्रकाशन 8. निर्मल वर्मा, सं. अशोक बाजपेयी, गजकमल प्रकाशन 9. निर्मल वर्मा : सृजन और चिंतन, सं. डॉ. प्रेमसिंह, साहित्य सहकार, दिल्ली 10. भारतीय ज्ञान परंपरा – सं. अशोक कड़ेल, मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल 11. संवाद और हस्तक्षेप खंड 27 भारतीय ज्ञान परंपरा, सं. कैलाषचंद्र पंत, मध्यप्रदेश राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, भोपाल अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म/बेबलिंक **https://books.google.com** **https://egyankosh.ac.in**		
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम		
भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियां		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां अधिकतम अंक : 100 सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40 विश्वविद्यालय परीक्षा (**UE**) : 60		
आंतरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (**CCE**):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट / प्रस्तुतिकरण (**Presentation**)	20 20 = 40
आकलनः विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय : 03:00 घंटा	अनुभाग अ– वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग ब– लघु उत्तरीय प्रश्न अनुभाग स– दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	60

R.K.D.F. UNIVERSITY, BHOPAL

MASTER OF ARTS

FIRST YEAR

Semester – I

Course	Subject	Subject Code
M.A.(Hindi) NEP	हिंदी भाषा एवं भाषा विज्ञान	**MAHI-104**

Course Learning Outcomes (CLO)

इस पाठय्क्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होगें

1. विद्यार्थी साहित्य के गंभीर अध्ययन के लिए भाषिक व्यवस्था के सुस्पष्ट व सर्वांगीण ज्ञान से अवगत हो पाएंगे।
2. विद्यार्थी हिंदी भाषा के उद्भव, विकास एवं संरचना की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को समझ सकेंगे।
3. भाषा और भाषा विज्ञान के अध्ययन से विषय को गहराई से समझ पाएंगें।
4. साहित्य और भाषा विज्ञान के अध्ययन से भाषा विज्ञान के अंगों की उपयोगिता जान सकेंगे।
5. विद्यार्थी हिंदी भाषा और भाषा विज्ञान की समझ को साहित्य, संस्कृति तथा संचार माध्यमों में रचनात्मक रूप से लागू कर सकेंगे।

UNIT - I

भाषा की अवधारणा, स्वरूप एवं विषेषताएँ।
भाषा विज्ञान : पारिभाषिक संदर्भ, अध्ययन पद्धतियाँ, प्रमुख शाखाएं एवं अन्य
ज्ञान शाखाओं से अंतर्संबध
गतिविधि – रेखांकन, तालिका

UNIT - II

आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएं एवं उनका वर्गीकरण
भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी भाषा का उद्भव, विकास एवं हिंदी की बोलियाँ
भाषा के विविध रूप (संपर्क भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा आदि)
देवनागिरि लिपि : विकास और विषेषताएँ।
गतिविधि – प्रवाह तालिका

UNIT - III

स्वनिम विज्ञानः विषेषता, स्वनिम का संक्षिप्त इतिहास, वाक्यंत्र एवं उसके कार्य, स्वन भेद
स्वन परिवर्तन : कारण एवं दिशाएं
गतिविधि – समूह चर्चा

UNIT - IV

रूपिम विज्ञानः शब्द और रूप (पद), संबंध तत्व, अर्थ तत्व, रूपिम व स्वनिम, रूपिमों का वर्गीकरण
वाक्य विज्ञानः वाक्य की परिभाषा, संरचना, प्रकार
वाक्य परिवर्तन, वाक्य परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं
गतिविधि – रेखांकन

UNIT - V

अर्थ विज्ञान : अर्थ की अवधारणा, अर्थ के प्रकार, अर्थ का महत्व
शब्द–अर्थ संबंध विवेचन
अर्थ परिवर्तन : कारण और दिशाएं
गतिविधि – रेखांकन

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन		
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन		
अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ / अन्य पाठ्य संसाधन / पाठ्य सामग्री 1. आधुनिक भाषा विज्ञान की भूमिका – मोतीलाल गुप्त : सं. रघुवीर प्रसाद भटनागर–राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी 2. भाषाविज्ञान – भोलेनाथ तिवारी– किताब महल, इलाहाबाद 3. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र – कपिलदेव, द्विवेदी–विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी 4. भाषाविज्ञान की भूमिका – आचार्य देवेंद्रनाथ शर्मा – राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली 5. सामान्य भाषा विज्ञान – बाबूराम सक्सेना – हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग 6. भाषाविज्ञान के सिद्धान्त और हिंदी भाषा–द्रवारिका प्रसादसक्सेना ' मीनाक्षी प्रकाशन , नई दिल्ली 7. आधुनिक भाषाविज्ञानः राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन 8. भाषा और समाजः रामविलास शर्मा,राजकमल प्रकाशन 9. हिंदी भाषा का इतिहास : धीरेंद्र वर्मा, हिन्दुस्तान अकादमी, इलाहाबाद 10.भारतीय ज्ञान परंपरा–सं. अशोक कड़ेल, मध्य प्रदेश हिंदी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल 11.संवाद और हस्तक्षेप खंड 27 भारतीय ज्ञान परंपरा सं. कैलाशचंद्र पंत, मध्यप्रदेश राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, भोपाल 12.सामान्य भाषाविज्ञानः वैश्रा नारंग, यश पब्लिकशन, नई दिल्ली 13.ध्वनिविज्ञानः गोलोक बिहारी ढ़ल, प्रेम बुक डिपो आगरा 14.अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञानः रवींद्र नाथ श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन 15.आधुनिक भाषा विज्ञान –डॉ. विवेक शंकर, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी अनुशंसिन डिजिटल प्लेटफॉर्म बेबलिंक **E library** **Archieve Books** **https://books.google.com** **https://egy ankosh-ac-in**		
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम		
भाग द– अनुशंसित मूल्यांकन विधियां		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां अधिकतम अंक : 100 सतत व्यापक मल्यांकन अंक : 40 विश्वविद्यालय परीक्षा (**UE**) : 60		
आंतरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (**CCE**):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट / प्रस्तुतिकरण (**Presentation**)	20 20 = 40
आकलनः विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय : 03:00 घंटा	अनुभाग अ– वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग ब– लघु उत्तरीय प्रश्न अनुभाग स दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	60

R.K.D.F. UNIVERSITY, BHOPAL

MASTER OF ARTS

FIRST YEAR

Semester – I

Course	Subject	Subject Code
M.A.(Hindi) NEP	**Internship/Apprenticeship/Seminar**	**MAHI-105**

R.K.D.F. UNIVERSITY, BHOPAL

MASTER OF ARTS (Hindi) NEP

FIRST YEAR

Scheme

The structure of the course will comprise Four-Papers and one **Internship/Apprenticeship /Seminar** in each Semester.

Second Semester

S no	Subject Code	Subject Title	Marks Allotted							Credit
			Assignment Marks		Theory Marks		Practical Marks		Total Marks	
			max	min	max	min	max	min		
1	MAHI-201	भारतीय साहित्यशास्त्र	40	16	60	24			100	5
2	MAHI-202	आधुनिक काव्य	40	16	60	24			100	5
3	MAHI-203	हिंदी कथेतर गद्य साहित्य	40	16	60	24			100	5
4	MAHI-204	प्रयोजनमूलक हिन्दी	40	16	60	24			100	5
5	MAHI-205	**Internship/Apprenticeship /Seminar**					100	60	100	2
Total									500	22

Note-Lecture timing15 Hour/Unit

Signature

Dean of Department **Member** **Member**

Name:-

R.K.D.F. UNIVERSITY, BHOPAL

MASTER OF ARTS

FIRST YEAR

Semester – II

Course	Subject	Subject Code
M.A.(Hindi) NEP	भारतीय साहित्यशास्त्र	**MAHI-201**

Course Learning Outcomes (CLO)

इस पाठय्क्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होगें

1. विधार्थी इस तथ्य को जान पाएंगे कि रचना के विशिष्ट्य और मूल्यबोध के उद्घाटन के लिए काव्यशास्त्र और साहित्यलोचन का ज्ञान अपरिहार्य है।
2. काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन एवं काव्यरूपों की जानकारी प्राप्त कर पाएंगे।
3. रस सिद्धांत, अलंकार सिद्धांत, रीति, वक्रोक्ति, ध्वनि एवं औचित्य संप्रदाय के संबंध में जान पाएगे।
4. प्रतीकों और बिंबो का नवीन संदर्भों में प्रयोग एवं उनके अर्थ सामर्थ्य को विधार्थी भली–भांती समझ पाएंगे।
5. भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी के प्रमुख कवि/ आचार्यों का साहित्य – चिंतन विधार्थी भली–भांती समझ पाएंगे।

UNIT - I

साहित्य विमर्षः काव्य और साहित्य
भारतीय ज्ञान परंपरा और भारतीय साहित्यषास्त्र की चिंतन परंपरा
काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन
काव्य रूप एवं काव्य जीवन (काव्य की आत्मा)
गतिविधि –समूह चर्चा

UNIT - II

रस–चिंतन के विविध आयाम
काव्य में रस का अर्थ, साहित्य में रस की व्याप्ति, रस सामग्री, रस–निष्पत्ति (रस सूत्र की विविध व्याख्याएँ) रस संख्या (परंपरागत एवं नवीन स्वीकृति दषाएँ)
रस सिद्धांत और नई–कविता, साधारणीकरण, सह्रदय की अवधारणा।
गतिविधि – शोध आलेख

UNIT - III

अलंकार सिद्धांत–विवेचना, मूल स्थापनाएँ, परंपरा, वर्गीकरण एवं महत्व
रीति सिद्धांत–अवधारणा, स्थापनाएं, परंपरा, काव्यगुण, रीति एवं शैली
ध्वनि सिद्धांत– स्वरूप, स्थापनाएँ, भेद एवं महत्व
गतिविधि – प्रवाह तालिका

UNIT - IV

वक्रोकि सिद्धांत – अवधारणा, भेद, परंपरा एवं महत्व, वक्रोक्ति और अभिव्यंजनावाद
औचित्य – सिद्धांत – प्रमुख स्थापनाएँ, भेद, परंपरा एवं महत्व
विभिन्न काव्य – सिद्धांतों का अंतर्संबध
गतिविधि – रेखाकंन

UNIT - V

भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी के प्रमुख कवि/ आचार्यों का साहित्य – चिंतन
केशवदास, पद्माकर, रामचन्द्र शुक्ल, हरिऔध, महावीर प्रसाद द्विवेदी,
नंददुलारे बाजपेयी, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह
गतिविधि –आलोचनात्मक विवेचन

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन
अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ/ अन्य पाठ्य संसाधन / पाठ्य सामग्री 1. रस सीमांसाः रामचंद्र, विश्वभारती पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली 2. भारतीय काव्य शास्त्र : सत्यदेव चौधरी, अंलकार प्रकाशन 3. रीतिकाव्य की भूमिका : नगेंद्र, नेषनल पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली 4. रस सिद्धांत : नगेंद्र नेशनल पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली 5. भारतीय काव्यशास्त्र : हरीश चंद्र वर्मा, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकुला 6. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त विवेचन : सत्यदेव चौधरी एवं शांति स्वरूप गुप्त, आशोक प्रकाशन, दिल्ली 7. भारतीय काव्य शास्त्र के नए क्षितिज : राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन 8. हिंदी काव्य शास्त्र का इतिहास : भगीरथ मिश्र, विश्विद्यालय प्रकाशन , वाराणसी 9. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र – डॉ. विवेक शंकर, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी 10. भारतीय ज्ञान परंपरा – सं. अशोक कड़ेल, मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल 11. संवाद और हस्तक्षेप खंड 27 भारतीय ज्ञान परंपरा, सं. कैलाशचंद्र पंत, मध्यप्रदेश राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, भोपाल अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म /वेबलिंक https://books.google.com **https://egyankosh.ac.in**
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम
भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियां
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां
अनुषंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम
अधिकतम अंक : 100 सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE): 60

आंतरिक मल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/प्रस्तुतिकरण(Presentation)	20 20 = 40
आकलनः विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय : 03:00 घंटा	अनुभाग अ– वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग ब– लघु उत्तरीय प्रश्न अनुभाग स– दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	 60

R.K.D.F. UNIVERSITY, BHOPAL

MASTER OF ARTS

FIRST YEAR

Semester – II

Course	Subject	Subject Code
M.A.(Hindi) NEP	आधुनिक काव्य	**MAHI-202**

Course Learning Outcomes (CLO)

इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होगें

1. उन्नीसवीं शती के उत्तरार्द्ध से अध्यावधि तक की संवेदनाएँ, भावनाएँ एवं नूतन विचार समझ पाएंगे।
2. द्विवेदी युग के प्रमुख कवि और उनकी रचनाओं का अध्ययन कर सकेंगे।
3. छायावाद के प्रवेश और प्रसाद, निराला की कविताओं में तत्कालीन समय के समाज को जान पाएंगे।
4. प्रतीकों और बिंबों के प्रवेष को हिंदी साहित्य के परिप्रेक्ष्य में समझ सकेंगें।
5. नई कविता के प्रमुख कविें और उनकी रचनाएँ एव नई कविता की प्रमुख प्रवत्तियाँ समझ पाएंगे।

UNIT – I

भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक हिंदी काव्य की पृष्ठभूमि व प्रवृत्तियाँ : तुलनात्मक अध्ययन
आधुनिक हिंदी काव्य की सामाजिक व सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
आधुनिक काव्य का वर्गीकरण और प्रमुख काव्य आंदोलन
प्रमुख कवि और प्रवृत्तियाँ
गतिविधि – शोध आलेख

UNIT – II

द्विवेदी युग के प्रमुख कवि और उनकी रचनाओं का अध्ययन
अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध – प्रियप्रवास
मैथिलीषरण गुप्त – भारत–भारती
माखनलाल चतुर्वेदी – जवानी, सिपाही
सोहनलाल द्विवेदी – बढ़े चलो, लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती
गतिविधि – कविता लेखन

UNIT – III

छायावाद के प्रमुख कवि और उनकी रचनाओं का अध्ययन
जयशंकर प्रसाद – कामायनी (चिंता, श्रद्धा, इड़ा सर्ग)
सुमित्रानंदन पंत–परिवर्तन, नौका विहार
सूर्यकांत त्रिपाठी निराला – तुलसीदास, राम की शक्ति पूजा
महादेवी वर्मा मधुर–मधुर मेरे दीपक जल, जाग तुझको दूर जाना
गतिविधि – समूह चर्चा

UNIT – IV

छायावादोत्तर युग के प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ
रामधारी सिंह दिनकर – रश्मिर थी (तृतीय सर्ग से भाग– 1, 2, एवं 3), परशुराम की प्रतीक्षा
अज्ञेय असाध्य बीणा, कलगी बाजरे की

मुक्तिबोध – अधेंरे में, ब्रह्मराक्षस
धर्मवीर भारती – मंजरी परिणय (कनुप्रिया)
गतिविधि – काव्य पाठ

UNIT – V

नई कविता की प्रमुख प्रवत्तियाँ और उनकी रचनाएँ
भवानी प्रसाद मिश्र–बुनी हुई रस्सी, गीत फरोश
कुंवर नारायण – अंतिम ऊँचाई, एक वृक्ष की हत्या
नरेश मेहता – अरण्यानी से वापसी, माँ
गतिविधि – काव्य पाठ

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तके, अन्य संसाधन
अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ / अन्य पाठ्य संसाधन / पाठ्य सामग्री 1. मैथिलीशरण गुप्तः प्रासगिकता के अंतः सूत्र – कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन 2. त्रयी (प्रसाद, निराला और पंत) – जानकील्लभ शास्त्री, अभिधा प्रकाषन 3. छायावाद – नामवर सिंह, सं॰ ज्ञानेंद्र कुमार संतोष, राजकमल प्रकाशन 4. जयशंकर प्रसाद नंददुलारे बाजपेयी, भारती भंडार लीडर प्रेस, इलाहाबाद 5. कामायनी : एक पुनर्विचार मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाषन 6. निराला की साहित्य साधना – रामबिलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन 7. कवि निराला – नंददुलारे बाजपेयी, लोकभारतीय प्रकाशन 8. निराला– कवि– छवि – नंदकिशोर नवल, प्रकाषन संस्थान 9. नयी कविता और अस्तित्वाद – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन 10. भारतीय ज्ञान परंपरा– सं. अषोक कड़ेल, मध्य प्रदेष हिंदी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल 11. संवाद और हस्तक्षेप खंड 27 भारतीय ज्ञान परंपर, सं. कैलाशचंद्र पंत, मध्यप्रदेश राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, भोपाल 12. समकालीन कविता का यथार्थ – परमानंद श्रीवास्तव, हरियाणा साहित्य अकादमी 13. आधुनिक कविता यात्रा रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन 14. कविता के नए प्रतिमान–नामवर सिंह राजकमल प्रकाशन 15. आधुनिक हिंदी कविता –विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, लोकभारती प्रकाशन
अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म / बेबलिंक **https://books-google.com** **https://egyankosh.ac.in**
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम
भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियां
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां अधिकतम अंक : 100 सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40 विश्वविद्यालय परीक्षा (**UE**): 60

आंतरिक मल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (**CCE**):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट / प्रस्तुतिकरण (**Presentation**)
आकलनः विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय : 03:00 घंटा	अनुभाग अ– वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग ब– लघु उत्तरीय प्रश्न अनभाग स– दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

R.K.D.F. UNIVERSITY, BHOPAL

MASTER OF ARTS

FIRST YEAR

Semester – II

Course	Subject	Subject Code
M.A.(Hindi) NEP	हिंदी कथेतर गद्य साहित्य	**MAHI-203**

Course Learning Outcomes (CLO)

इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होगें

1. विद्यार्थी हिंदी के कथेत्तर गद्य की विधाओं के तत्व और स्वरूप को भली भांति समझ सकेंगे।
2. प्रमुख निबंधकार एवं उनके निबंध का अध्ययन कर सकेंगे।
3. प्रमुख आत्मकथाकार, जीवनी लेखक एवं उनकी रचनाओं का अध्ययन कर सकेंगे।
4. हिंदी की कथेत्तर गद्य की विधाओं यथा – आत्मकथा, जीवनी, निबंध संस्मरण, यात्रा वृत्तांत, रेखाचित्र, रिपोर्ताज आदि की विकास यात्रा एवं उसमें अंतर्निहित जीवन मूल्यों को समझ सकेंगे।
5. कथेतर विधाओं के माध्यम से मानवीय संवेदनाओं का सतरंगी व भारत के अतिरिक्त विष्व के प्राकृतिक सौंदर्य, विष्व संस्कृति आदि का रूप जान सकेंगे।

UNIT – I

हिंदी कथेत्तर गद्य की प्रमुख विधाएंः परिचय
भारतीय ज्ञान परंपरा और गद्य साहित्य के उद्भव की पृष्ठभूमि, गद्य विधाओं का वर्गीकरण एवं तात्विक स्वरूप का परिचय
गतिविधि – प्रवाह तालिका

UNIT – II

प्रमुख निबंधकार एवं उनके निबंध का अध्ययन
कवि और कविता – महावीर प्रसाद द्विवेदी
आचरण की सभ्यता – सरदार पूर्ण सिंह
श्रद्धा–भक्ति – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
कुटज – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
सनातन नीम (प्रिया नीलकंठी निबंध संग्रह से)– कुबेर नाथ राय
मेरे राम का मुकुट भीग रहा है – विद्यानिवास मिश्र
गतिविधि – निबंध लेखन

UNIT – III

प्रमुख आत्मकथाकार, जीवनी लेखक एवं उनकी रचनाओं का अध्ययन
आवारा मसीहा (आत्मकथा)– विष्णु प्रभाकर
मिला तेज से तेज (जीवनी – सुभद्रा कुमारी चौहान)–सुधा चौहान
गतिविधि – ष्षोध आलेख

UNIT – IV

प्रमुख संस्मरण, रेखाचित्र एवं उनके रचनाकार
संस्मरण– माटी की मूरतें – रामवृक्ष बेनीपूरी
रेखाचित्र – स्मृति की रेखाएं महादेवी वर्मा
गतिविधि – संस्मरण लेखन

UNIT – V

हिंदी की अन्य गद्य विधाएं
(यात्रा साहित्य, रिपोर्ताज, पत्र साहित्य, साक्षात्कार, डायरी आदि)
यात्रा साहित्य– एक बूंद सहसा उछली– अज्ञेय
रिपोर्ताज–सिंगरौली, जहां कोई वापसी नही ('धुंध से उठती धुन' संग्रह से) निर्मल वर्मा
पत्र साहित्य महावीर प्रसाद द्विवेदी के पत्र
साक्षात्कार – जैनेंद्र के साक्षात्कार
डायरी – अकेला मेला – रमेष चंद्र शाह
गतिविधि – समूह चर्चा, शैक्षणिक यात्रा

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन
अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री 1. भारतीय साहित्य–संपादक डॉ. नगेन्द्र प्रभात प्रकाशन , दिल्ली 2 भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास– संपादक डॉ. नगेन्द्र हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदशालय, दिल्ली 3. भारतीय उपन्यास की अवधारणा और स्वरूप–संपादक आलोक गुप्त, राजपाल एंड संस, दिल्ली 4. भारतीय साहित्य स्थापनाएं और प्रस्तावनाएं– के सच्चिदानंद राजकमल प्रकाशन , दिल्ली 5. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएं – रामविलास शर्मा, सामयिक प्रकाशन , दिल्ली 6. भारतीय साहित्य का सांस्कृतिक पक्ष–रोहितांश्र, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली 7. मराठी साहित्य– परिदृश्य चन्द्रकात बांदिवडेकर 8. कन्नड साहित्य का इतिहास– श्री सुशील, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली 9. मलयालय साहित्य का इतिहास के– भास्कर नायर, प्रकाशन शाखा सूचना विभाग (यू॰ पी॰) 10. भारतीय रंगकोष–सं. प्रतिभा अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली 11. रथयात्रा – राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय द्वारा प्रकाशित, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली। 12. आज के रंग नाटक–इब्राहिम अल्काजी, राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली। 13. नाट्यशास्त्र विश्वकोष :– राधावल्लभ त्रिपाठी, न्यू भारती बुक 14. गद्य की सत्ता–रामस्वरूप चतुर्वेदी, मैकमिलन, प्रकाशन, दिल्ली। 15. हिन्दी गद्य की प्रवृत्तियाँ – (सं.) नलिन विलोचन शर्मा, राजकमल प्रकाशन , दिल्ली। 16. नया साहित्य नये पश्न–आचार्य नन्दुलारे बाजपेयी, विद्या मंदिर प्रकाशन , वाराणसी। 17. महादेवी का गद्य–सूर्यप्रसाद दीक्षित, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली। 18. हिन्दी का यात्रा साहित्य एक विहंगम दृष्टि–विश्वमोहन तिवारी, आलेख प्रकाशन , दिल्ली। 19. विवेक के रंग (सं.) देवीशकर अवस्थी, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली। 20. भारतीय ज्ञान परंपरा – सं. अशोक कड़ेल, मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल। 21. संवाद और हस्तक्षेप खंड 27 भारतीय ज्ञान परंपरा, सं. कैलाश चंद्र पंत, मध्यप्रदेश राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, भोपाल। 22. साहित्य में गद्य की नयी विविध विधाएँ,– कैलाश चंद्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन , दिल्ली। 23. हिन्दी साहित्य का बृहतः इतिहास (भाग 14) – (सं.) हरवंश लाल शर्मा, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी **https://books.google.com** **https://egyankosh.ac.in**
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम
भाग द अनुशंसित मूल्यांकन विधियां
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां अधिकतम अंक : 100 सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE): 60

आंतरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/प्रस्तुतिकरण (Presentation)	20 20 = 40
आकलनः विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय : 03:00 घंटा	अनुभाग अ– वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग ब– लघु उत्तरीय प्रश्न अनुभाग स– दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	60

R.K.D.F. UNIVERSITY, BHOPAL

MASTER OF ARTS

FIRST YEAR

Semester – II

Course	Subject	Subject Code
M.A.(Hindi) NEP	प्रयोजनमूलक हिन्दी	**MAHI-204**

Course Learning Outcomes (CLO)

इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होगें

1. भाषा के प्रयोजनपरक आयाम को समझ पाएंगे।
2. हिंदी की उपयोगिता का कार्यालीन भाषा के रूप में अध्ययन करके राष्ट्र भाषा तथा राज भाषा को समझ सकेंगे।
3. पारिभाषिक शब्दावली का उपयोग कर पाएंगे।
4. विद्यार्थी कंप्यूटर और डिजिटल माध्यमों (ई–मेल, सोशल मीडिया, ई–गवर्नेंस) में हिंदी के प्रयोग में दक्षता प्राप्त करेंगे।
5. समाचार लेखन, संपादन, रिपोर्टिंग, विज्ञापन लेखन आदि की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त करेंगे।
6. विद्यार्थी प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल पत्रकारिता में हिंदी की भूमिका समझ सकेंगे।

UNIT – I

प्रयोजनमूलक हिंदी : अभिप्राय एवं वैषिष्ट्य
हिंदी के विभिन्न प्रयोजनपरक रूप – संपर्क भाषा, सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा राजभाषा, राष्ट्रभाषा, मातृभाषा आदि।
गतिविधि – रेखांकन

UNIT – II

कार्यालयीन हिंदी : राजभाषा के प्रमुख प्रकार्य, प्रारूपण, संक्षेपण, पल्लवन, पत्र – लेखन टिप्पण
परिभाषिक शब्दावलीः स्वरूप, वैषिष्टय, आवष्यकता, विभिन्न क्षेत्रों में परिभाषिक शब्दावलीः के उदाहरण एवं प्रयोग
गतिविधि : पल्लवन, टिप्पणी आदि

UNIT – III

हिंदी कंप्यूटिंग के विविध आयाम
संगणक (कंप्यूटर) सामान्य परिचय, रूपरेखा, उपयोग एवं बेब, पब्लिषिंग
अंतरजाल (इंटरनेट) उपकरणों का परिचय, सपर्क संसाधन, समय–मितव्ययता एवं रख रखाव, ब्राउजिंग पोर्टल, ई–मेल
हिंदी के प्रमुख इंटरनेट प्वाइंट, डाउनलोडिंग एवं अपलोडिंग सॉफ्टवेयर पैकेज
गतिविधि – संगणक प्रयोग

UNIT – IV

पत्रकारिताः अवधारणा, स्वरूप, वैषिष्ट्य एवं भेद
भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास
समाचार लेखन और संपादन के मूलभूत तत्व
व्यावहारिक प्रूफ शोधन की समस्याएँ, एवं समाधान
गतिविधि – प्रूफ शोधन

UNIT – V

पत्रकारिता में शीर्षक संरचना, लीड, शीषर्क संपादन
संपादकीय लेखन के विविध संदर्भ
पृष्ठसज्जा, साक्षात्कार, पत्रकार, वार्ता, प्रेस प्रबंधन, प्रमुख प्रेस कानून और आचार संहिता
गतिविधि – पत्र लेखन, संपादकीय लेखन अभ्यास

<table>
<tr><td colspan="3">भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन</td></tr>
<tr><td colspan="3">पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन</td></tr>
<tr><td colspan="3">अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ/ अन्य पाठ्य संसाधन पाठ्य सामग्री
1. प्रयोजनमूलक हिंदीः दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन
2. हिंदी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप : कैलाषचन्द्र भाटिया, तक्षषिला प्रकाशन , दिल्ली
3. प्रयोजनमूलक कामकाजी हिंदी : कैलाषचन्द्र भाटिया, तक्षषिला प्रकाशन
4. प्रयोजन हिंदी : सिद्धांत और प्रयुक्तिः जितेंद्र वत्स, दिल्ली निर्मल पब्लिकेषन
5. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. एस॰ ए॰ मंजुनाथ, नोषन प्रेस
6. भारतीय ज्ञान परंपरा – सं. अषोक कड़ेल , मध्य प्रदेष हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
7. संवाद और हस्तक्षेप खंड 27 भारतीय ज्ञान परंपरा, सं. कैलाषचंद्र पंत, मध्यप्रदेष राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, भोपाल
अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म / बेबलिंक
Achive Books
https://egyankosh.ac.in</td></tr>
<tr><td colspan="3">अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम</td></tr>
<tr><td colspan="3">भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधिया</td></tr>
<tr><td colspan="3">अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां
अधिकतम अंक : 100
सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40 विष्वविद्यालय परीक्षा (UE): 60</td></tr>
<tr><td>आंतरिक मूल्यांकन :
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):</td><td>क्लास टेस्ट
असाइनमेंट/ प्रस्तुतिकरण (Presentation)</td><td>20
20=40</td></tr>
<tr><td>आकलनः
विष्वविद्यालयीन परीक्षा
समय : 03:00 घंटा</td><td>अनुभाग अ– वस्तुनिष्ठ प्रश्न
अनुभाग ब– लघु उत्तरीय प्रश्न
अनुभाग स– दीर्घ उत्तरीय प्रश्न</td><td>60</td></tr>
</table>

R.K.D.F. UNIVERSITY, BHOPAL

MASTER OF ARTS

FIRST YEAR

Semester – II

Course	Subject	Subject Code
M.A.(Hindi) NEP	**Internship/Apprenticeship/Seminar**	**MAHI-205**

R.K.D.F. UNIVERSITY, BHOPAL

MASTER OF ARTS (Hindi) NEP

FIRST YEAR

Scheme

The structure of the course will comprise Four-Papers and one **Internship/Apprenticeship /Seminar** in each Semester.

Third Semester

S no	Subject Code	Subject Title	Marks Allotted							
			Assignment Marks		Theory Marks		Practical Marks		Total Marks	Credit
			max	min	max	min	max	min		
1	MAHI-301	भारतीय साहित्य	40	16	60	24			100	5
2	MAHI-302	लोक साहित्य	40	16	60	24			100	5
3	MAHI-303	हिंदी नाटक एवं एकांकी	40	16	60	24			100	5
4	MAHI-304	हिंदी आलोचना	40	16	60	24			100	5
5	MAHI-305	Internship/Apprenticeship /Seminar					100	60	100	2
Total									500	22

Note-Lecture timing15 Hour/Unit

Signature

Dean of Department **Member** **Member**

Name:-

R.K.D.F. UNIVERSITY, BHOPAL

MASTER OF ARTS

SECOND YEAR

Semester – III

Course	Subject	Subject Code
M.A.(Hindi) NEP	भारतीय साहित्य	**MAHI-301**

Course Learning Outcomes (CLO)

इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होगें

1. छात्र हिंदी साहित्य के अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य से परिचित होंगे।
2. विद्यार्थियों को हिंदीतर भाषाओं के साहित्य का स्थूल परिचय प्राप्त होगा।
3. भारतीय साहित्य में व्यक्त भारतीयता की पहचान होगी।
4. हिंदी में अनुदित साहित्य से परिचय होगा।
5. भारतीय साहित्य के अध्ययन से विद्यार्थी भारत की राष्ट्रीय एकता एवं विविधता से भिज्ञ हो सकेंगे।

UNIT – I

भारतीय ज्ञान परंपरा और भारतीय साहित्य की अवधारणा
भारतीयता परिभाषिक परिप्रेक्ष्य में भारतीय भाषा और साहित्य में भारतीयता का बोध,
भारतीय साहित्य और संस्कृति का अंतर्संबंध
गतिविधि – सांस्कृतिंक संग्रहालय भ्रमण, शोध आलेख

UNIT – II

भारतीय भाषाओं के प्रमुख उपन्यास (बांग्ला, मराठी)
बंकिमचन्द्र चटर्जी – आनंदमठ
षिवाजी सावंत –मृत्यंजय
गतिविधि – शोध आलेख, समीक्षा

UNIT – III

भारतीय भाषाओं के प्रमुख उपन्यास (कन्नड़ . हिंदी)
भैरप्पा– आवरण (कन्नड)
हजारी प्रसाद द्विवेदी– बाणभट्ट की आत्मकथा (हिंदी)
गतिविधि – आलेख लेखन, समीक्षा

UNIT – IV

भारतीय भाषाओं की कहानियाँ –
मं की ममता (तेलुगु कहानी) – रावुरि भारद्वाज
मृत्युदंड (तमिल कहानी) –कल्कि कृष्णमूर्ति
गूलर के फूल (ओड़िया कहानी) – अखिल मोहन पटनायक
खून का रिश्ता (मलयालम कहानी) – तकशी शिवशंकर पिल्लै
गतिविधि – कहानी पाठ समीक्षा

UNIT – V

भारतीय भाषाओं की कविताएँ (असमिया, कन्नड़, बांग्ला, मराठी, गुजराती) – आधुनिक भारतीय कविता – सं. डॉ. अवधेश नारायण मिश्र तथ नन्द किशोर पाण्डेय वि.वि. प्रकाशन. वाराणसी

कविताएँ –

1. असमिया कविताएँ –
   अ) नवकांत बरूआ– धनशिरी के लिए दो स्तबक
   ब) हीरेन भट्टचार्य – पृथ्वी मेरी कविता, कविता के लिए एकांत प्रार्थना
2. कन्नड़ कविताएँ –
   अ) विनायक कृष्ण गोकाक – बादल, धरतीः की नजर में
3. बांग्ला कविताएँ –
   अ) रवीन्द्रनाथ ठाकुर – जहाँ चित भय शून्य, शंख
   ब) काजी नजरूल इस्लाम –किसका है यह देश, हे पार्थ सारथी
4. मराठी कविताएँ –
   अ) कुसुमाग्रज – पृथ्वी का प्रेम गीत, याचक
5. गुजराती कविताएँ –
   अ) उमाशंकर जोशी–वर दे इतना, छोटा मेरा खेत

गतिविधि – शोध आलेख, समीक्षा, कविता पाठ

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रंथ/ अन्य पाठ्य संसाधन / पाठ्य सामग्री

1. भारतीय साहित्य – सं. डॉ. नगेंद्र. प्रभात प्रकाशन
2. भारतीय दर्शन – डॉ बल्देव उपाध्याय, चौखंभा, संस्कृत भवन, वाराणसी
3. भारतीय दर्शन की रूपरेखा – डॉ. बल्देव उपाध्याय, चौखभां ओरियन्टालिया, दिल्ली
4. राष्ट्रीयता एवं भारतीय साहित्य डॉ. शशि तिवारी, विद्यानिधि प्रकाशन
5. भारतीयता की पहचान– डॉ विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन
6. संस्कृति के चार अध्याय – दिनकर, लोक भारती प्रकाशन
7. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ – डॉ. रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन
8. भारतीय चिंतन परंपरा के दामोटरन, पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस
9. आधुनिक भारतीय चिंतन – डॉ विश्वनाथ नरवणे, राजकमल प्रकाशन
10. आज का भारतीय साहित्य – सं. साहित्य अकादमी, दिल्ली
11. भारतीय भाषाओं के साहित्य का संक्षिप्त इतिहास – केंद्रीय हिंदी निदे. शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार
12. हिंदी साहित्य के विकास में दक्षिण का योगदान – सं. रेड्डी राव/अप्पल राजु, एंड संस, दिल्ली
13. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास – डॉ. नगेंद्र. हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय दिल्ली विश्वविद्यालय
14. भारतीय ज्ञान परंपरा – सं. अशोक कड़ेल, मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
15. संवाद और हस्तक्षेप खंड 27 भारतीय ज्ञान परंपरा. सं. कैलाशचंद्र पंत, मध्यप्रदेश राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, भोपाल
16. उन आंखों की कथा, रावुरि भारद्वाज एवं भीमसेन निर्मल, ज्ञानपीठ वाणी प्रकाशन
17. तमिल की लोकप्रिय कहानियां, डॉ. ए भवानी, प्रभात प्रकाशन
18. भारतीय शिखर कथा कोशः ओड़िया कहानिया. सं. कमलेश्वर पुस्तकायन प्रकाशन, नई दिल्ली
19. भारतीय साहित्य सं. आर आई संधी, डॉ. प्रकाश ए. वाणी प्रकाशन

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म/बेबलिंक

ttps://hindikahani,hindi-kavita.com/Hk-Oriya-Kahaniyan-Aur-Lok-Kathayen.php

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियां		
अनुशंसित सतत मल्यांकन विधियां अधिकतम अंक : 100 सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE): 60		
आंतरिक मूल्यांकन सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतिकरण	20 20=40
आकलनः विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय : 03: 00 घंटा	अनुभाग अ– वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग ब– लघु उत्तरीय प्रश्न अनुभाग स– दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	60

R.K.D.F. UNIVERSITY, BHOPAL

MASTER OF ARTS

SECOND YEAR

Semester – III

Course	Subject	Subject Code
M.A.(Hindi) NEP	लोक साहित्य	**MAHI-302**

Course Learning Outcomes (CLO)

इस पाठय्क्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होगें

1. भारत की समृद्ध लोक साहित्य परंपरा से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे।
2. लोकसाहित्य की विविध विधाओं से परिचित होगे।
3. भारतीय लोक साहित्य में ध्वनित लोकजीवन और लोक संस्कृति को समझने का अवसर मिलेगा।
4. भारत के विविध आंचलिक क्षेत्रों में अलग–अलग लोक भाषाओं में लोक साहित्य का सृजन हुआ है. जिसके साहित्यिक एवं भाषिक सौदर्य पर शोध अपेक्षित है।
5. विद्यार्थियों को अनुसंधान एवं रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

UNIT – I

लोक साहित्य : अवधारणा, स्वरूप एवं महत्व
लोक और लोक साहित्य, लोक साहित्य और साहित्य : साम्य – वैषम्य,
लोक साहित्य : व्याप्ति और वैशिष्ट्य,
लोक साहित्य का महत्व : भारतीय ज्ञान परंपरा में लोक साहित्य का अवदान
गतिविधि – शोध आलेख लेखन, भ्रमण

UNIT – II

लोक साहित्य की विविध विधाएँ : लोकगीत, लोककथा, व्रतकथा.
लोकगाथा. पहेलियाँ, कहावतें और मुहावरे. लोकमंत्र संरचना और व्यवस्थापन, लोक नाट्य एवं लोक नृत्य
गतिविधि –लोकगीतों का लेखन, गायन एवं संकलन, लोक नाट्यों का मंचन, लोक नृत्यों का प्रदर्शन

UNIT – III

लोक साहित्य और संस्कृति– लोक विश्वास, प्रकृति पूजन, व्रत–उपवास . और पर्व स्नान, शकुन विचार, संस्कार, लोक रीतियाँ लोक रूढियाँ. लोककल्याण का भाव और मूल्य चेतना
गतिविधि : भ्रमण, लोक कथाओं का संग्रहण

UNIT – IV

लोक साहित्य में लोक जीवनः विमर्श के विविध आयाम
लोक साहित्य में स्वातंत्र्य चेतना
लोक साहित्य में दार्शनिक चिंतन
लोक साहित्य में नारी, दलित एवं आदिवासी विमर्श
लोक साहित्य में पर्यावरण विमर्श
लोक जीवन की जटिल समस्याओं के समाधान
गतिविधि – लोक साहित्य पर परिचर्चा, संगोष्ठी आयोजन

UNIT – V

लोक साहित्य का कलापक्षीय सौंदर्य और प्रदेय

लोकभाषा सौष्ठव, अलंकारिता, प्रतीकात्मकता, बिंबात्मकता, उक्ति वैचित्र्य. गेयता
लोक साहित्य के प्रति नवीन मान्यताएँ, राष्ट्रीय संरक्षण की आवश्यकता और योजनाएँ, आधुनिक लोक साहित्य और नवीन संभावनाएं, लोक साहित्य का साहित्य पर प्रभाव
लोक साहित्यकार : बघेली, बुंदली, मालवी
गतिविधि – शोध आलेख, लोक साहित्य पर परिचर्चा, संगोष्ठी आयोजन

भाग स – अनुषंसित अध्ययन संसाधन		
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन		
अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ / अन्य पाठ्य संसाधन / पाठ्य सामग्री 1. लोक साहित्य – डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय (भारतीय ज्ञानपीठ) 2. भारतीय लोक साहित्य – डॉ. श्याम परमार (राजकमल प्रकाशन) 3. लोक साहित्य की भूमिका डॉ. पीतांबर दत्त बहुध्वाल (भारतीय ज्ञानपीठ) 4. भारतीय लोक कथा साहित्य – डॉ. कमला रत्नम (राजपाल एंड संस) 5. लोक साहित्य और संस्कृति–डॉ. शांति स्वरूप गुमा (अभिव्यक्ति प्रकाशन) 6. लोक साहित्य की भूमिका कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन प्रा. लि. इलाहाबाद 7. कथा वार्ता" – डॉ कपिल तिवारी (हिन्दी) आदिवासी लोक कला एवं बोली विकास अकादेमी, भोपाल 8. संस्कृति के चार अध्याय – रामधारी सिंह दिनकर, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली 1956 9. लोक साहित्य और वैश्वीकरण – डॉ सरोज गुमा. डॉ संगीता सुहाने, अनुभूति पब्लिशर इलाहाबाद 10. भारतीय ज्ञान परंपरा – सं. अशोक कडेल. मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल 11. संवाद और हस्तक्षेप खंड 27 भारतीय ज्ञान परंपरा. सं. कैलाशचंद्र पंत. मध्यप्रदेश राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, भोपाल अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म / बेबलिक **https://books.google.com**		
https://egyankosh.ac.in		
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्य		
भाग द – अनुषंसित मूल्यांकन विधियां		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां अधिकतम अंक : 100 सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40 विष्वविद्यालय परीक्षा (UE): 60		
आंतरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/प्रस्तुतिकरण (Presentation)	20 20 = 40
आकलनः विष्वविद्यालयीन परीक्षा समय : 03:00 घंटा	अनुभाग अ– वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग ब– लघु उत्तरीय प्रश्न अनुभाग स दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	60

R.K.D.F. UNIVERSITY, BHOPAL

MASTER OF ARTS

SECOND YEAR

Semester – III

Course	Subject	Subject Code
M.A.(Hindi) NEP	हिंदी नाटक एवं एकांकी	**MAHI-303**

Course Learning Outcomes (CLO)

इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होगें

1. हिंदी नाटक एवं एकांकी के ज्ञान से साहित्यिक समझ में वृद्धि होगी।
2. नाटक की विभिन्न शैलियों और तकनीकों को समझ पाएंगे।
3. भारतीय संस्कृति और समाज के विभिन्न पहलुओं को समझ सकेंगे ।
4. रंगमंच की तकनीक जान सकेंगे ।
5. विद्यार्थी नाटक और एकांकी की प्रस्तुति, मंचन और अभिनय के माध्यम से व्यवहारिक अनुभव प्राप्त करेंगे।

UNIT – I

नाट्य साहित्य का उद्भव एवं विकास
नाट्य शब्द का अर्थ, परिभाषा (भारतीय एवं पाश्चात्य मत)
नाट्य साहित्य के प्रकार
भारतीय ज्ञान परंपरा और नाट्य साहित्य का विकास
गतिविधि –रेखांकन

UNIT – II

हिंदी एकाकी : उद्भव एवं विकास
एकांकी : परिभाषा और तत्व (भारतीय और पाश्चात्य मत)
हिंदी एकांकी का विकास
गतिविधि – प्रवाह तालिका

UNIT – III

रंगमंच की विकास यात्रा
रंगमंच का स्वरूपः भारतीय और पाश्चात्य
निर्देशन एवं अभिनय सिद्धांत – भारतीय और पाश्चात्य मत
रंगमंच की शास्त्रीय और लोकधर्मी अवधारणा
गतिविधि – रंगमंच भ्रमण

UNIT – IV

हिंदी के प्रमुख नाटक एवं नाटककार
चन्द्रगुप्त – जयशंकर प्रसाद
लहरों के राजहंस – मोहन राकेश
अक्षयवट – सुरेश चंद्र शुक्ल
एक कंठ विषपायी – दुष्यंत कुमार
गतिविधि – नाट्य मंचन

UNIT – V

हिंदी के प्रमुख एकांकी एवं एकांकीकार

दीपदान – डॉ. रामकुमार वर्मा
मातृभूमि का मान – हरिकृष्ण प्रेमी
नये मेहमान – उदयशंकर भट्ट
स्ट्राइक – भुवनेश्वर
भोर का तारा – जगदीशचंद्र माधुर
भारत दुर्दशा – भारतेन्दु हरिशचंद्र
गतिविधि नाट्य मंचन

भाग स–अनुशंसित अध्ययन संसाधन		
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन		
अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ अन्य पाठ्य संसाधन पाठ्य सामग्री 1. नाट्य शास्त्र की भारतीय परंपरा और दशरूपकः हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन 2. रंगमंच और नाटक की भूमिका : लक्ष्मीनारायण लाल . नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली 3. रंगदर्शन नेमीचंद्र जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन 4. हिंदी नाटक : उद्भव और विकास–दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस 5. हिंदी नाटक आज–कल जयदेव तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन 6. हिंदी एकांकी–सिद्धनाथ कुमार, नेहा पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रिब्यूटर्स दिल्ली 2000 7. एकांकी उद्भव और विकास मंजरी त्रिपाठी, ज्ञान–विज्ञान प्रकाशन. दिल्ली 8. नए एकांकी से अजेय, राजपाल एंड संस, नयी दिल्ली 9. भारतीय ज्ञान परंपरा – स. अशोक कडेल, मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल 10. संवाद और हस्तक्षेप खंड 27 भारतीय ज्ञान परंपरा, सं. कैलाशचंद्र पंत. मध्यप्रदेश राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, भोपाल अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म/बेबलिंक **https://books.google.com** **https://egyankosh.ac.in**		
भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियां		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां		
अधिकतम अंक : 100 सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40 विष्वविद्यालय परीक्षा (UE) : 60		
आंतरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट / प्रस्तुतिकरण (Presentation)	20 20 = 40
आकलनः विष्वविद्यालयीन परीक्षा समय : 03:00 घंटा	अनुभाग अ– वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग ब– लघु उत्तरीय प्रश्न अनुभाग स– दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	60

R.K.D.F. UNIVERSITY, BHOPAL

MASTER OF ARTS

SECOND YEAR

Semester – III

Course	Subject	Subject Code
M.A.(Hindi) NEP	हिंदी आलोचना	**MAHI-304**

Course Learning Outcomes (CLO)

इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होगें

1. विद्यार्थी हिंदी आलोचना की परिभाषा, स्वरूप और उद्देश्य को समझ सकेंगे।
2. हिंदी आलोचना के इतिहास और विकास की विभिन्न धाराओं का सम्यक बोध करेंगे।
3. विभिन्न आलोचना पद्धतियों की तुलना कर सकेंगे और उनका प्रयोग व्यावहारिक आलोचना में कर सकेगें।
4. आचार्य रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद, नन्ददुलारे वाजपेयी. रामविलास शर्मा. नगेन्द्र. नामवर सिंह आदि प्रमुख आलोचकों के योगदान का अध्ययन कर पाएंगें।
5. साहित्यिक कृतियों के मूल्यांकन के लिए विभिन्न मानकों और दृष्टिकोणों को समझ पाएंगे।

UNIT – I

आलोचना की अवधारणा एवं स्वरूप
आलोचनाः शाब्दिक व्युत्पत्ति अर्थ परिभाषा स्वरूप (भारतीय और पाश्चात्य मत)
भारतीय ज्ञान परंपरा और समालोचना का स्वरूप
गतिविधि – प्रवाह तालिका

UNIT – II

हिंदी आलोचना का इतिहास
हिंदी आलोचना की पृष्ठभूमि
हिंदी आलोचनाः स्वतंत्रता के पूर्व
हिंदी आलोचनाः स्वातंत्र्योतर
गतिविधि – रेखांकन

UNIT – III

हिंदी आलोचना के प्रमुख प्रकार और उनका सैद्धांतिक स्वरूप
शास्त्रीय. सौष्ठववादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, सौंदर्य शास्त्रीय, शैली वैज्ञानिक, मनोविश्लेषणवादी, समाजशास्त्रीय, व्यावहारिक समीक्षा
गतिविधि – शोध आलेख

UNIT – IV

हिंदी के प्रमुख आलोचक और उनके आलोचना सिद्धांत
(रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद, नन्ददुलारे वाजपेयी. रामविलास शर्मा. नगेन्द्र. नामवर सिंह)
गतिविधि – पुस्तकालय

UNIT – V

रचनाकार आलोचक और उनके आलोचना सिद्धांत
(अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध', महावीर प्रसाद द्विवेदी, सच्चिदानंद हीरानंद वात्सायन "अज्ञेय". गजानंद माधव "मुक्तिबोध", विजयदेव नारायण साही)
गतिविधि – आलेख लेखन

<table>
<tr><td colspan="3">भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन</td></tr>
<tr><td colspan="3">पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन</td></tr>
<tr><td colspan="3">अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ/ अन्य पाठ्य संसाधन / पाठ्य सामग्री
1. आचार्य रामचंद्र शुल्क और हिंदी आलोचना–रामविलास शर्मा, विनोद पुस्तक मंदिर आगरा
2. दूसरी परंपरा की खोज–डॉ. नामवर सिंह राजकमल प्रकाशन
3. साहित्य और इतिहास दृष्टि मेनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन
4. रामचंद्र शुक्ल मलयज, राजकमल प्रकाशन
5. हिंदी आलोचना–विष्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन
6. हिंदी आलोचना के बीज शब्द–बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन
7. नंददुलारे वाजपेयी रचना संचयन–सं. सत्यवान साहित्य अकादमी नई दिल्ली
8. संवाद और हस्तक्षेप खंड 27 भारतीय ज्ञान परंपरा. सं. कैलाशचंद्र पंत, मध्यप्रदेश राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, भोपाल
9. भारतीय ज्ञान परंपरा – सं. अशोक कड़ेल मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी भोपाल
अनुशंसिन डिजिटल प्लेटफॉर्म /वेबलिंक
https%//egy ankosh-ac-in</td></tr>
<tr><td colspan="3">अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम</td></tr>
<tr><td colspan="3">भाग द– अनुशंसित मूल्यांकन विधियां</td></tr>
<tr><td colspan="3">अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां
अधिकतम अंक : 100
सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE) : 60</td></tr>
<tr><td>आंतरिक मूल्यांकन :
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):</td><td>क्लास टेस्ट
असाइनमेंट / प्रस्तुतिकरण (Presentation)</td><td>20
20 = 40</td></tr>
<tr><td>आकलनः
विश्वविद्यालयीन परीक्षा
समय : 03:00 घंटा</td><td>अनुभाग अ– वस्तुनिष्ठ प्रश्न
अनुभाग ब– लघु उत्तरीय प्रश्न
अनुभाग स दीर्घ उत्तरीय प्रश्न</td><td>60</td></tr>
</table>

R.K.D.F. UNIVERSITY, BHOPAL

MASTER OF ARTS

FIRST YEAR

Semester – III

Course	Subject	Subject Code
M.A.(Hindi) NEP	**Internship/Apprenticeship/Seminar**	**MAHI-305**

R.K.D.F. UNIVERSITY, BHOPAL

MASTER OF ARTS (Hindi) NEP

FIRST YEAR

Scheme

The structure of the course will comprise Four-Papers and one **Internship/Apprenticeship /Seminar** in each Semester.

Fourth Semester

S no	Subject Code	Subject Title	Marks Allotted							Credit
			Assignment Marks		Theory Marks		Practical Marks		Total Marks	
			max	min	max	min	max	min		
1	MAHI-401	हिंदी साहित्य और भारतीय ज्ञान परंपरा	40	16	60	24			100	5
2	MAHI-402	अनुवाद विज्ञान	40	16	60	24			100	5
3	MAHI-403	शैली विज्ञान	40	16	60	24			100	5
4	MAHI-404(A)	कथाकार प्रेमचंद (वैकल्पित प्रश्न पत्र)	40	16	60	24	-		100	5
	MAHI-404(B)	तुलसीदास (वैकल्पित प्रश्न पत्र)	40	16	60	24			100	5
	MAHI-404(C)	दृश्य - श्रव्य माध्यम (वैकल्पित प्रश्न पत्र)	40	16	60	24			100	5
5	MAHI-405	Internship/Apprenticeship /Seminar					100	60	100	2
Total									500	22

Note-Lecture timing15 Hour/Unit

Signature

Dean of Department **Member** **Member**

Name:-

R.K.D.F. UNIVERSITY, BHOPAL

MASTER OF ARTS

SECOND YEAR

Semester – IV

Course	Subject	Subject Code
M.A.(Hindi) NEP	हिंदी साहित्य और भारतीय ज्ञान परंपरा	**MAHI-401**

Course Learning Outcomes (CLO)

इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होगें

1. विद्यार्थी हिंदी साहित्य, भारतीय ज्ञान परंपरा एवं भारतीय संस्कृति की गहराई और विविधता को जान सकेंगे ।
2. विद्यार्थी भारतीय साहित्य एवं ज्ञान परंपरा और भारतीय इतिहास के विभिन्न पहलुओं को समझ सकेंगे ।
3. भारतीय साहित्य में साहित्यिक सौंदर्य की भरपूरता है, विद्यार्थी इस तथ्य को जान पाएंगे।
4. विद्यार्थी हिन्दी साहित्यिक कृतियों का अध्ययन भारतीय ज्ञान परंपरा की दृष्टि से कर सकेंगे।
5. हिंदी साहित्य और भारतीय ज्ञान परंपरा के अंर्त संर्तसंबंध को पहचान सकेगें।

UNIT – I

भारत बोध और भारतीयता
भारतवर्ष का भौगोलिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य
भारतीयता की अवधारणा और भारतीय मान–मूल्य
भारतीय काल – बोध
गतिविधि – भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ का भ्रमण

UNIT – II

भारतीय ज्ञान– दृष्टि और परंपरा
ज्ञान की भारतीय अवधारणा, ज्ञान की प्राप्ति के विविध स्रोत, ज्ञान का प्रयोजन एवं निष्कर्ष, विविध ज्ञान परंपराएँ
गतिविधि – समूह चर्चा

UNIT – III

भारतीय ज्ञान परंपरा के विविध संदर्भ–
दार्शनिक संदर्भ (वेदांत, अद्वैत, न्याय, मीमांसा आदि)
सांस्कृतिक संदर्भ (तीर्थाटन, पर्व, दान आदि परंपराएँ)
साहित्यिक संदर्भ (रामायण, महाभारत, पुराण आदि)
अन्य विविध संदर्भ (आर्थिक, सामाजिक, धार्मिक आदि }
गतिविधि – पुस्तकालय अध्ययन

UNIT – IV

ज्ञान परंपरा के आख्यान, प्रश्न और प्रबोधन प्रविधि
महालसा उपाख्यान, नासिकेतोपाख्यान, व्रतकथाओं में मूल्य दृष्टि,
कथा सरित्सागर, पंचतंत्र, सिंहासन बत्तीसी, बैताल पचीसी
गतिविधि – भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित पुस्तकों का अध्ययन

UNIT – V

हिंदी साहित्य में ज्ञान परंपरा

नीति काव्य (तुलसी, रहीम, बिहारी, वृंद आदि)
कुण्डलियाँ साहित्य (गिरिधर कविराय)
कविताएँ (नर हो न निराश करो मन को – मैथिलीशरण गुप्त, कर्मवीर– हरिऔध)
कहानी– (शरणागत– वृंदावनलाल वर्मा)
निबंध – (आँगन का पंछी – विद्यानिवास मिश्र)
गतिविधि –कुण्डलियां, दोहे इत्यादि का पाठ

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन		
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन		
अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ/ अन्य पाठ्य संसाधन / पाठ्य सामग्री 1. वेद विज्ञान आलोकः आचार्य अग्निव्रत नैष्ठिक, वैदिक स्वस्ति पंथान्यासा लोधा ऑफसेट लिमिटेड, जोधपुर 2. भारतीय साहित्य रामछबीला त्रिपाठी, वाणी प्रकाषन 3. भारतीय चित्त, मानस व काल–धर्मपाल, सं. प्रो. संतोष कुमार वर्मा 4. आर्ष भारतः श्री राम तिवारी, विक्रमादित्य शोध पीठ 5. विक्रम संवत – डॉक्टर सरोज शुक्ला, विक्रमादित्य शोध पीठ प्रकाषन 6. भारतीय साहित्य – डॉ नगेंद्र, प्रभात प्रकाषन 7. नंददुलारे वाजपेयी रचना संचयन–सं. सत्यवान साहित्य अकादमी नई दिल्ली 8. भारतीय ज्ञान परम्परा पर केंद्रित "रचना पत्रिका का नवम्बर – दिसम्बर 2024 का अंक 9. संवाद और हस्तक्षेप खंड 27 भारतीय ज्ञान परंपरा. सं. कैलाषचंद्र पंत् मध्यप्रदेष राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, भोपाल 10. भारतीय ज्ञान परंपरा – सं. अषोक कड़ेल, मध्यप्रदेष हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल अनुशंसिन डिजिटल प्लेटफॉर्म /वेबलिंक **https://books.google.com** **https%//egy ankosh-ac-in**		
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम		
भाग द – अनुषंसित मूल्यांकन विधियां		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां अधिकतम अंक : 100 सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40 विश्वविद्यालय परीक्षा (**UE**): 60		
आंतरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (**CCE**):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/प्रस्तुतिकरण(**Presentation**)	20 20 = 40
आकलनः विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय : 03:00 घंटा	अनुभाग अ– वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग ब– लघु उत्तरीय प्रश्न अनुभाग स– दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	60

R.K.D.F. UNIVERSITY, BHOPAL

MASTER OF ARTS
SECOND YEAR
Semester – IV

Course	Subject	Subject Code
M.A.(Hindi) NEP	अनुवाद विज्ञान	**MAHI-402**

Course Learning Outcomes (CLO)

इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होगें

1. अनुवाद विज्ञान सीखने से भाषा कौशल में सुधार और विभिन्न भाषाओं के बीच अनुवाद करने में सक्षम होंगे।
2. अनुवाद विज्ञान से संचार कौशल में सुधार एवं विभिन्न भाषाओं के लोगों के साथ प्रभावी पद्धति से संवाद कर सकेंगे।
3. अनुवाद विज्ञान से विभिन्न संस्कृतियों की समझ में सुधार कर पाएंगे।
4. अनुवाद विज्ञान से विद्यार्थी विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों के बीच ज्ञान का आदान–प्रदान कर सकेंगे।
5. विद्यार्थी अनुवाद को एक पेशेवर क्षेत्र के रूप में समझेंगे तथा रोजगार के अवसरों (पत्रकारिता, मीडिया, प्रकाशन) की पहचान कर पाऐंगे।

UNIT – I

अनुवाद का स्वरूपः सीमाएँ एवं क्षेत्र. समस्याएँ
अनुवाद और अनुवाद विज्ञान की अवधारणा और उसका स्वरूप
अनुवाद के क्षेत्र और उनकी समस्याएँ – कार्यालयीन, वैज्ञानिक, व्यावसायिक, तकनीकी, साहित्यिक, पत्रकारिता (जनसंचार, माध्यम), विधि आदि।
गतिविधि – रेखांकन, प्रवाह तालिका

UNIT – II

अनुवाद की प्रक्रिया : प्रविधि और विधियाँ
अनुवाद की प्रक्रिया : विश्लेषण, अंतरण एवं पुनर्गठन
अनुवाद की प्रविधि : अनुवाद के तीन चरण
स्रोत भाषा के पाठ का विश्लेषण और अर्थग्रहण की प्रक्रिया
(क) स्रोत भाषा से लक्ष्य भाषा में अर्थातंरण की प्रक्रिया
(ख) अनूदित पाठ का पुनर्गठन और अर्थ संप्रेषण की प्रक्रिया
अनुवाद परीक्षण की विधियाँः पुनरीक्षण, संपादन, समीक्षा एवं मूल्यांकन
गतिविधि– अनुवाद अभ्यास

UNIT – III

अनुवाद के प्रकार
अनुवाद के प्रकार : पाठ के आधार पर
अनुवाद के प्रकार : माध्यम के आधार पर
अनुवाद के प्रकार : विषय के आधार पर
गतिविधि – रेखांकन

UNIT – IV

अनुवाद के सिद्धांत और उसका भाषिक पक्ष
समतुल्यता का सिद्धांत : भाषा. भाव एवं शैली के संदर्भ में
अनुवाद की इकाइयाँ : शब्द, रूप, पद, पदबंध, वाक्य एवं पाठ

दो समसांस्कृतिक व विषम सांस्कृतिक भाषाओं का तुलनात्मक अध्ययन : भारतीय भाषाओं के संदर्भ में
गतिविधि – अनुवाद अभ्यास

UNIT – V

भारतीय ज्ञान परंपरा के विकास में अनुवाद का योगदान :
भूमिका एवं महत्व वैदिक ज्ञान परंपरा और अनुवाद
भारतीय कालजयी रचनाओं का अनुवाद परिचय : रामायण, महाभारत, भगवद् गीता आदि के संदर्भ में।
अनूदित रचनाओं में अभिव्यक्त सामाजिक– सांस्कृतिक चेतना
गतिविधि – समूह चर्चा

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन		
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तके, अन्य संसाधन		
अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ / अन्य पाठ्य संसाधन / पाठ्य सामग्री 1. अनुवाद कला – डॉ. एन. ई. विश्वनाथ अय्यर, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली 2. अनुवाद विविध आयाम आगरा माणिक गोविन्द चतुर्वेदी और कृष्ण कुमार गोस्वामी. के. हिं.सं. 3. हिंदी का भाषिक और सामाजिक परिप्रेक्ष्यः कृष्ण कुमार गोस्वामी. साहित्य सहकत, दिल्ली 4. भाषा विज्ञान – वैश्वा नारंग, यश पब्लिकेशंस, नई दिल्ली 5. अनुवाद विज्ञान की भूमिका – कृष्ण कुमार गोस्वामी, राजकमल प्रकाशन. नई दिल्ली 6. संवाद और हस्तक्षेप खंड 27 भारतीय ज्ञान परंपरा. सं. कैलाशचंद्र पंत. मध्यप्रदेश राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, भोपाल 7. भारतीय ज्ञान परंपरा सं. अशोक कड़ेल, मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल 8. भाषा और समाज– भरत सिंह आलेख प्रकाशन, दिल्ली 9. शैक्षिक व्याकरण और व्यावहारिक हिंदी– कृष्ण कुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली		
अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म / बेबलिंक **https%//books-google-com** **https%//egyankosh-ac-in**		
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम		
भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियां		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां अधिकतम अंक : 100 सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40 विश्वविद्यालय परीक्षा (**UE**): 60		
आंतरिक मल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (**CCE**):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट / प्रस्तुतिकरण (**Presentation**)	20 20 = 40
आकलनः विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय : 03:00 घंटा	अनुभाग अ– वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग ब– लघु उत्तरीय प्रश्न अनभाग स– दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	60

R.K.D.F. UNIVERSITY, BHOPAL

MASTER OF ARTS

SECOND YEAR

Semester – IV

Course	Subject	Subject Code
M.A.(Hindi) NEP	शैली विज्ञान	**MAHI-403**

Course Learning Outcomes (CLO)

इस पाठ्क्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होगें

1 विद्यार्थी शैली विज्ञान की परिभाषा क्षेत्र और महत्व को समझ सकेंगे।

2 शैली विज्ञान को पढ़ने से विद्यार्थी अपने विचारों को प्रभावी पद्धति से व्यक्त कर सकेंगे।

3 शैली विज्ञान के अध्ययन से भाषा कौशल में सुधार करके विभिन्न शैलियों और शब्दावली का उपयोग कर सकेंगे।

4 शैली विज्ञान के अध्ययन से विद्यार्थी में साहित्यिक कृतियों की समझ विकसित होगी।

5 विद्यार्थी की रचनात्मकता में वृद्धि होगी और वे अपने लेखन में विभिन्न शैलियों और तकनीकों का उपयोग कर सकेंगे।

UNIT – I

शैली और शैली विज्ञान : अवधारणात्मक परिचय (भारतीय एवं पाश्चात्य मत) प्रकार्यगत विशेषताएँ एवं महत्व
शैली विज्ञान और भाषा विज्ञान का अंतरसंबंध
शैली विज्ञान की विकास यात्रा
भारतीय ज्ञान परंपरा में शैली, शैली विज्ञान का स्वरूप एवं क्षेत्र
गतिविधि – आलेख लेखन / समीक्षा

UNIT – II

शैली विज्ञान की शाखाएँ .
ध्वनि, शैली विज्ञान, शब्द शैली विज्ञान, रूप शैली विज्ञान, वाक्य शैली विज्ञान, अर्थ शैली विज्ञान
गतिविधि – अभ्यास (किसी रचना में अप्रस्तुत विधान–समीक्षात्मक आलेख)

UNIT – III

शैली विज्ञान : विभिन्न प्रतिमान
अग्रगामिता, चयन, संयोजन, विचलन, समानांतरता, अप्रस्तुतविधान, बहुअर्थता
गतिविधि – अभ्यास (किसी रचना की ध्वनिगत विशेषताएँ– आलेख)

UNIT – IV

शैली विज्ञानः भाषा की प्रकृति, सामान्य भाषा, मानक और शास्त्रभाषा, साहित्य भाषा, साहित्य भाषा के विश्लेषण के तत्व
गतिविधि – आलेख लेखन

UNIT – V

शैली विश्लेषण

पाठ की संरचना, गठन एवं संसक्ति
विन्यासक्रम, लेखीय शैली – विश्लेषण
वाक्य– भाषा विश्लेषण
गद्य भाषा विश्लेषण
गतिविधि – अभ्यास (किसी रचना में शब्द चयन –तालिका)

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन		
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन		
अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ / अन्य पाठ्य संसाधन / पाठ्य सामग्री 1. शैलीविज्ञान : भोलानाथ तिवारी, किताब घर प्रकाशन 2 संरचनात्मक शैलीविज्ञान रवींद्रनाथ श्रीवास्तव, आलेख प्रकाशन दिल्ली 3. शैलीविज्ञान : सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन 4. शैली और शैलीविज्ञान : सं. सुरेश कुमार, रवींद्रनाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा 5. शैली और शैली विश्लेषण : पाण्डेय शशिभूषण शीतांशु– वाणी प्रकाशन 6. भाषा और समाज– भरत सिंह, आलेख प्रकाशन, दिल्ली 7. शैक्षिक व्याकरण और व्यावहारिक हिंदी– कृष्ण कुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन. दिल्ली अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म / वेबलिंक **https://books.google.com** **https://egyankosh.ac.in**		
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम		
भाग द अनुशंसित मूल्यांकन विधियां		
अनुशंसित सतत् मूल्यांकन विधियां अधिकतम अंक : 100 सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE): 60		
आंतरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/प्रस्तुतिकरण (Presentation)	20 20 = 40
आकलनः विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय : 03:00 घंटा	अनुभाग अ– वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग ब– लघु उत्तरीय प्रश्न अनुभाग स– दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	60

R.K.D.F. UNIVERSITY, BHOPAL

MASTER OF ARTS

SECOND YEAR

Semester – IV

Course	Subject	Subject Code
M.A.(Hindi) NEP	कथाकार प्रेमचंद (वैकल्पित प्रश्न पत्र)	**MAHI-404 (A)**

Course Learning Outcomes (CLO)

इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होगें

1. विद्यार्थी प्रेमचंद के जीवन, साहित्यिक पृष्ठभूमि और सामाजिक संदर्भ को समझ सकेंगें।
2. प्रेमचंद के साहित्य में ग्रामीण जीवन की वास्तविकता का चित्रण किया गया है. जिसमें किसानों की समस्याएं, सामाजिक अन्याय एवं आर्थिक कठिनाइयों का वर्णन है, जिससे विद्यार्थी ग्रामीण जीवन के बारे में जान सकेंगे ।
3. प्रेमचंद के साहित्य में सामाजिक सुधार की आवश्यकता पर बल दिया गया है। विद्यार्थी जातिवाद, अंधविष्वास एवं महिला उत्पीड़न जैसे मुद्दों को जान सकेंगे।
4. प्रेमचंद के साहित्य में मानव मूल्यों का महत्व दर्शाया गया है.जिसमें सच्चाई, न्याय, और करुणा जैसे मूल्यों को बढ़ावा दिया गया है. विद्यार्थी इन मूल्यों को सीख सकेंगे।
5. प्रेमचंद की प्रमुख रचनाओं (कहानियाँ, उपन्यास) और उनकी साहित्यिक विषेषताओं का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

UNIT – I

आधुनिक काल की पृष्ठभूमि और प्रेमचंद
प्रेमचंद युगीन पृष्ठभूमि ..
राजनैतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि और साहित्यिक वातावरण गतिविधि – रेखांकन

UNIT – II

भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी कथा साहित्य का विकास एवं प्रेमचंद
हिंदी कहानी का विकास
हिंदी उपन्यास का विकास
गतिविधि आलेख लेखन

UNIT – III

प्रेमचंद का व्यक्तित्व और कृतित्व
प्रेमचंद जीवन परिचय
कथाकार प्रेमचंद – प्रमुख रचनाएँ
गतिविधि – संग्रहालय भ्रमण

UNIT – IV

प्रेमचंद की प्रमुख कहानियाँ – समीक्षा एवं व्याख्या
(दुनिया का सबसे अनमोल रतन, नमक का दरोगा, मंत्र, परीक्षा, बूढ़ी काकी)
गतिविधि – कहानी पाठ

UNIT – V

प्रेमचंद के प्रमुख उपन्यास – समीक्षा और व्याख्या
(गबन, कर्मभूमि, गोदान)
गतिविधि – संगोष्ठी

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन		
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन		
अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ/ अन्य पाठ्य संसाधन पाठ्य सामग्री 1. प्रेमचंद : घर में – शिवरानी देवी नवी किताब प्रकाशन 2. प्रेमचंद : एक विवेचन–इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन 3. प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन 4. प्रेमचंद : कलम का सिपाही अमृतराय, राजकमल प्रकाशन 5. प्रेमचंद जीवन, कला एवं कृतित्व – हंसराज रहबर, फारसाइट प्रकाशक 6. प्रेमचंद साहित्यिक विवेचन – नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन 7. प्रेमचंद : एक अध्ययन–राजेष्वर गुरु, मध्यप्रदेशीय प्रकाशक समिति, भोपाल 8. प्रेमचंद की उपन्यास कला – जनार्दन प्रसाद झा. सं. भारत भारद्वाज, नयी किताब प्रकाशन 9. प्रेमचंद एवं भारतीय किसान – रामबक्ष वाणी प्रकाशन 10. प्रेमचंद : एक नया अध्ययन – प्रो. अली अहमद फातमी, हिंदुस्तानी अकादमी इलाहाबाद अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म / बेबलिक **https://books.google.com** **https://egyankosh.ac.in**		
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम		
भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधिया		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां अधिकतम अंक : 100 सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40 विश्वविद्यालय परीक्षा (**UE**): 60		
आंतरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (**CCE**)	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतिकरण (**Presentation**)	20 20=40
आकलनः विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय : 03:00 घंटा	अनुभाग अ– वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग ब– लघु उत्तरीय प्रश्न अनुभाग स– दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	60

R.K.D.F. UNIVERSITY, BHOPAL

MASTER OF ARTS

SECOND YEAR

Semester – IV

Course	Subject	Subject Code
M.A.(Hindi) NEP	तुलसीदास (वैकल्पित प्रश्न पत्र)	**MAHI-404 (B)**

Course Learning Outcomes (CLO)

इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होगें

1. विद्यार्थी भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और उद्भव को समझ सकेंगे।
2. विद्यार्थी तुलसीदास के जीवन, व्यक्तित्व और कृतित्व का सम्यक ज्ञान प्राप्त करेंगे।
3. तुलसीदास के साहित्य में आध्यात्मिक ज्ञान का विस्तृत वर्णन किया गया है. जिसमें भगवान राम की भक्ति और उपासना का महत्व दर्शाया गया है, विद्यार्थी इससे परिचित होंगे।
4. तुलसीदास के साहित्य में नैतिक मूल्यों का महत्व दर्शाया गया है, जिसमें सत्य न्याय, और करुणा जैसे मूल्यों को बढ़ावा दिया गया है। विद्यार्थी इन गुणों को सीख सकेंगे।
5. विद्यार्थियों में यह समझ विकसित होगी कि तुलसीदास एक लोकवादी कवि हैं तथा उनकी रचना लोकमंगल को समेटे हुए है।

UNIT – I

भारतीय ज्ञान परंपरा और भक्तिकाल युगीन पृष्ठभूमि – सांस्कृतिक, राजनीतिक, सामाजिक
प्रमुख काव्यधाराओं का वर्गीकरण
राम काव्यधारा के प्रमुख कवि और रचनाएँ
गतिविधि –प्रवाह तालिका

UNIT – II

तुलसीदास व्यक्तित्व और कृतित्व
व्यक्तित्व– जीवन परिचय. काव्य की विशेषताएँ, दर्शन, भक्ति, लोक मंगल, समन्वय
गतिविधि – संगोष्ठी

UNIT – III

रामचरितमानस – अयोध्याकाण्ड, उत्तरकाण्ड (समीक्षा एवं व्याख्या)
गतिविधि – मानस पाठ

UNIT – IV

कवितावली
(समीक्षा एवं व्याख्या)
गतिविधि –आलेख लेखन

UNIT – V

विनयपत्रिका
(समीक्षा एवं व्याख्या)
गतिविधि – पाठ

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन		
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन		
अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ/ अन्य पाठ्य संसाधन / पाठ्य सामग्री 1. गोस्वामी तुलसीदास – रामचंद्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान 2. तुलसी साहित्य में नीति भक्ति और दर्शन– डॉ. हरिशचंद्र शर्मा. संजीव प्रकाशन कुरूक्षेत्र 3. तुलसी का मानस– मुंशीराम शर्मा, ग्रंथ माला 4. तुलसी काव्य दर्शन– डॉ. रामलाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद 5. तुलसी साहित्य सुधा– डॉ. भागीरथ मिश्र, साहित्य भवन इलाहाबाद 6. तुलसीदास : आलोचनात्मक अध्ययन – श्री भारत भूषण 'सरोज, विनोद पुस्तक मंदिर आगरा अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म / बेबलिंक **https://books.google.co** **https://egyankosh.ac.in**		
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम		
भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियां		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां अधिकतम अंक : 100 सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40 विष्वविद्यालय परीक्षा (UE): 60		
अतिरिक मल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतिकरण (Presentation)	20 20=40
आकलनः विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय : 03:00 घंटा	अनुभाग अ– वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग ब– लघु उत्तरीय प्रश्न अनुभाग स– दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	60

R.K.D.F. UNIVERSITY, BHOPAL

MASTER OF ARTS

SECOND YEAR

Semester – IV

Course	Subject	Subject Code
M.A.(Hindi) NEP	दृश्य – श्रव्य माध्यम (वैकल्पित प्रश्न पत्र)	**MAHI-404 (C)**

Course Learning Outcomes (CLO)

इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होगें।

1. दृश्य–श्रव्य माध्यमों में हिंदी की भूमिका का विश्लेषण करेंगे।
2. दृश्य माध्यम के प्रमुख प्रकार–टेली ड्रामा, टेली फिल्म, डॉक्यूमेंट्री फिल्म एवं टी.वी. धारावाहिक में तुलना कर सकेंगे।
3. श्रव्य माध्यम के प्रकार जैसे– रेडियो धारावाहिक, रेडियो रूपांतरण, रेडियो फेन्टेसी, संगीत, रूपक, आलेख रूपक आदि को समझ सकेंगे।
4. दृश्य–श्रव्य माध्यम के अध्ययन से विद्यार्थी के संचार कौशल में सुधार हो सकेगा। इससे विद्यार्थी विचारों को प्रभावी ढंग से व्यक्त कर सकेंगे।
5. दृश्य–श्रव्य माध्यम को जानने से विद्यार्थी की मीडिया साक्षरता में सुधार होगा। विद्यार्थी की सृजनात्मकता में वृद्धि होती है, जिससे वे अपने विचारों को नए और अनोखे पद्धति से व्यक्त कर सकेंगे।

UNIT – I

दृश्य–श्रव्य हिंदी माध्यम लेखन का स्वरूप
भारतीय ज्ञान परंपरा और दृश्य श्रव्य हिंदी माध्यम लेखन का क्षेत्र
दृश्य श्रव्य हिंदी माध्यम लेखन का प्रकार
गतिविधि– रेखांकन

UNIT – II

दृश्य माध्यम के प्रमुख प्रकार
टेली ड्रामा, टेली फिल्म, डॉक्यूमेंट्री फिल्म एवं टी.वी. धारावाहिक में तुलनात्मक विमर्श
संचार माध्यम के विविध रूप
गतिविधि –शॉट फिल्म लेखन

UNIT – III

श्रव्य माध्यम के प्रमुख प्रकार
रेडियो धारावाहिक, रेडियो रूपांतरण. रेडियो फैन्टेसी, संगीत, रूपक, आलेख रूपक (डॉक्यूमेंट्री फिल्म)
गतिविधि – रेडियो रूपांतरण

UNIT – IV

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा प्रसारित समाचार संकलन
इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रस्तुतिकरण की प्रविधि
गतिविधि – समाचार लेखन

UNIT – V

संचार माध्यमों की भाषा
आधुनिक जनसंचार और सूचना
आधुनिक संचार माध्यमों में संभावनाएँ और चुनौतियाँ
गतिविधि – आलेख लेखन

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन		
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन		
अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ/ अन्य पाठ्य संसाधन / पाठ्य सामग्री 1.आधुनिक मीडिया लेखन एवं हिन्दी रचना, डॉ. अशोक बत्रा. लक्ष्मी प्रकाशन 2.मीडिया संचार माध्यम एवं लेखन कला, रामप्रसाद मौर्य, अर्जुन पब्लिशिंग हाउस 3.प्रयोजन मूलक हिन्दी की नयी भूमिका, कैलाशनाथ पाण्डेय, राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमि 4.अनुवाद सिद्धांत एवं प्रविधि, भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन 5.हिन्दी पत्रकारिता एवं निबंध लेखन प्रो. राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव, भवदीय प्रकाशन, अयोध्या फैजाबाद 6.राजभाषा हिंदी. कैलाशचन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 7.हिंदी में मीडिया लेखन और अनुवाद, डॉ रामगोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद 8.इलोक्ट्रोनिक मीडिया. सुधीर सोनी, यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन, जयपुर 9.प्रयोजनमूलक हिंदी, डॉ रामगोपाल सिंह. पार्श्व प्रकाशन. अहमदाबाद 10.जनसंचार विविध आयाम, डॉ माणिक मृगेश, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 11.समाचार पत्रों की भाषा. डॉ माणिक मृगेश वाणी प्रकाशन, दिल्ली 12.व्यावहारिक हिंदी, रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 13.हिंदी ब्लॉगिंग का इतिहास, रवीन्द्र प्रभात, हिंदी साहित्य निकेतन, बिजनौर, उ.प्र. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म/बेबलिंक **https://books.google.com** **https:/egyankosh.ac.in**		
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम		
भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियां		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां अधिकतम अंक : 100 सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE) : 60		
आंतरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट / प्रस्तुतिकरण (Presentation)	20 20 = 40
आकलनः विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय : 03:00 घंटा	अनुभाग अ. वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग ब– लघु उत्तरीय प्रश्न अनभाग स– दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	60

R.K.D.F. UNIVERSITY, BHOPAL

MASTER OF ARTS

FIRST YEAR

Semester – IV

Course	Subject	Subject Code
M.A.(Hindi) NEP	**Internship/Apprenticeship/Seminar**	**MAHI-405**